हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 5 अक्टूबर 2026

तापमान

अधिकतम 38 .5 डिग्री
न्यूनतम 21.0 डिग्री

11 अर्थमंथन में शिक्षा को समाज व राष्ट्र के लिए समर्पित करने का दिया संदेश



12 अनाज मंडी में आज से रोस्टर प्रणाली से होगी बाजरे की खरीद, पोर्टल पर फसल का वेरिफिकेशन जरूरी



खबर संक्षेप

दहेज प्रताड़ना मामलों में तीन आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और धमकी देने के मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने एक विवाहिता की शिकायत के बाद दोनों पक्षों के बीव समझौता कराने के प्रयास किए थे। बातचीत सिरे नहीं चढ़ने पर पुलिस ने 27 अगस्त को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। सुरहेली निवासी योगेश और मदनलाल को पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। एक अन्य मामले में थाना सदर पुलिस ने धारूहेड़ा के बास रोड निवासी योगेश को गिरफ्तार किया है।

मारपीट मामले के दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने मारपीट करने और धमकी देने के मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर 24 सितंबर को कई आरोपियों के खिलाफ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने गुलाबपुरा निवासी राजेश और विक्रांत को गिरफ्तार किया है। एक अन्य मामले में रामपुरा थाना पुलिस ने रामपुरा निवासी अनीता को गिरफ्तार किया है। तफ्तीश में शामिल करने के बाद आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसों के आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों के बाद दर्ज मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर अगस्त माह में हुए हादसे में कैंटर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में कैंटर चालक राजस्थान के कोटपुतली निवासी दरियाव सिंह को गिरफ्तार किया है। रोहतक हाइवे पर हुए हादसे के बाद 12 जुलाई को दर्ज केस में जींद के सफीदों निवासी आजाद को गिरफ्तार किया गया है। बाद में दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

धोखाधड़ी मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने जमीन के फर्जी कागजात तैयार करने के बाद उसे बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पीड़ित की ओर से लगभग 2 साल पहले पुलिस को शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने जांच का कार्य आर्थिक अपराध शाखा को सौंपा था। जांच के बाद पीड़ित की ओर से लगाए गए आरोप सही पाए गए थे। गत 24 मार्च को पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। इस मामले में दिल्ली के रोहिणी निवासी यशपाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे मामले की तफ्तीश में शामिल किया गया है।

गांव नंदरामपुर बास में आज लगाया जाएगा सेवा सेतु शिविर

रेवाड़ी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों की ओर से जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ अन्य जागरूकता गतिविधियां और शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जिले में सेवा सेतु शिविर के माध्यम से आमजन को योजनाओं की जानकारी देने के साथ पंजीकरण भी किया जा रहा है। जिला समाज कल्याण अधिकारी रेनू बाला ने बताया कि सोमवार को धारूहेड़ा ब्लॉक के गांव नंदरामपुर बास में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने गांव नंदरामपुर बास में आयोजित होने वाले सेवा सेतु शिविर में ग्रामीणों को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया।

शौचालय, प्याऊ व फड़ पर सफाई व्यवस्था खराब, सीवर का पानी दुकानों के आगे तक पहुंचा

अनाजमंडी में खरीफ फसल की बढ़ रही आवक, व्यवस्थाएं सुस्त

एक सप्ताह से सीवर ओवरफ्लो का समाधान नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नई अनाजमंडी के खरीफ की फसलों की आवक रोजाना बढ़ती जा रही है। ऐसे में किसानों की सुविधा के लिए अभी तक पूरी तरह व्यवस्था नहीं की गई है। अनाजमंडी के नेहरू पार्क साइड वाले गेट के पास करीब एक सप्ताह से सीवर ओवरफ्लो का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। गंदा पानी बह कर दुकानों के आगे तक पहुंच चुका है,लेकिन प्रशासन की ओर से इस समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। सड़क पर बहते सीवर के पानी से उठती दुर्गंध के कारण लोगों का निकलना दुर्भर हो गया है। अनाजमंडी में दुकानों के पिछले हिस्से की हालत ज्यादा खराब है। जहां निकासी नहीं होने से हर समय गंदा पानी जमा रहता है। बरसात आने पर स्थिति और भी खराब हो जाती है। अनाजमंडी के टीनशेड में प्राइवेट वाहनों के साथ ट्रांसपोर्टरों की बसें भी खड़ी हो रही है।

सफाई का टेंडर चलने के बाद भी गंदगी

मार्केट कमेटी का सफाई का टेंडर चल रहा है, लेकिन सफाई कर्मचारियों की कमी के कारण हालात सुधर नहीं पा रहे है। ठीक से सफाई न होने से अनाजमंडी की सड़कों पर गंदगी फैल रही है। अनाजमंडी के सार्वजनिक शौचालय के पास भी गंदगी जमा है, जिससे कीचड़ की स्थिति बनी हुई है। पीने के पानी की प्याऊ के पास भी ठीक से सफाई नहीं की जा रही है।

लंबे समय से चल रही सीवर जाम समस्या

अनाजमंडी में सीवर जाम होने की समस्या कई वर्षो से चल रही है। सीवर लाइन छोटी व पुरानी होने के कारण सीवर ओवरफ्लों की समस्या बार-बार पैदा हो रही है। बरसात के समय में यह समस्या और भी विकट हो जाती है, जिससे सड़कों पर गंदा पानी जमा होने के साथ कीचड़ होने से परेशानी पैदा हो जाती है।



रेवाड़ी। अनाजमंडी में दुकानों के पीछे जमा सीवर का पानी। फोटो : हरिभूमि

ग्रीवेंश कमेटी में उठता आ रहा सीवर ओवरफ्लो का मुद्दा

पिछली दो बार की ग्रीवेंश कमेटी की बैठक में शहर में ओवरफ्लो होने का मुद्दा लगातार उठाया जा रहा है। सेक्टर-1 व नेहरू पार्क सहित कई स्थानों पर अभी भी समस्या ज्यों की त्यों पड़ी हुई है। अधिकारियों की ओर से जन स्वास्थ्य एवं लोक निर्माण मंत्री रणवीर गंगवा के आदेश पर भी अमल नहीं किया जा रहा है।





रेवाड़ी। धंसा हुआ सीवर का ढक्कन व निकलता हुआ पानी। फोटो : हरिभूमि

जर्जर सड़कों पर नहीं दिया जा रहा ध्यान

नई अनाजमंडी की सड़कें लंबे समय से जर्जर अवस्था में है। किसी भी सरकारी समारोह के होने पर सड़कों पर पैचवर्क कर दिया जाता है, जोकि ज्यादा समय तक टिक नहीं पाता है। वर्तमान में अनाजमंडी की सड़कों की हालत दयनीय बनी हुई है। सड़कों पर बने गड्ढों की रोडिया बिखर रही है।

गोवंशों का पूरे दिन रहता जमावड़ा



नई अनाजमंडी में पूरे दिन गोवंश का जमावड़ा लगा रहता है। किसानों व व्यापारियों की नजर चूकने पर गोवंश फसल में मुंह मारते है। वहीं फड पर जमा गोवंश गंदगी भी फैला रहे है। शहर में गोवंशों के हमले से लोगों की जान भी जा चुकी है, इसलिए लोगों में हमेशा हादसे का डर बना रहता है।

लूटपाट व जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रामपुरा थाना पुलिस ने गांव सुंदरोज में गाड़ी रोककर जानलेवा हमला करने, सोने की चेन, अंगूठी व नकद राशि छीनने तथा घर में घुसकर पथराव करने के संगीन मामले में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान दीपांशु उर्फ गोलू निवासी गांव परखोत्तमपुर व नितिन उर्फ नेता निवासी गांव सुंदरोज के रूप में हुई है। गत 30 सितंबर को गांव सुंदरोज निवासी राम शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह अपने भाई केशव शर्मा के साथ पिकअप गाड़ी से घर लौट रहे थे। रास्ते में मोटरसाइकिलों पर सवार आरोपी रजत शर्मा, नितिन उर्फ नेता, आकाश, दीपांशु तथा टोनी उर्फ संजय ने पिस्तौल व तलवार से लैस होकर उनकी पिकअप गाड़ी का पीछा कर उन पर हमला कर दिया। आरोपियों ने उसके भाई केशव शर्मा से सोने की चेन, अंगूठी तथा 50000 रुपये की नकदी छीन ली। इसके बाद आरोपियों ने उनके घर में घुसकर पथराव किया, जिससे उसे तथा उसके भाई केशव शर्मा को कॉफी गंभीर चोटें आईं।

पुलिस ने मारपीट, छीना झपटी व आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने रविवार को मामले में संलिप्त दो आरोपी दीपांशु उर्फ गोलू निवासी गांव परखोतमपुर व नितिन उर्फ नेता गांव सुन्दरोज को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनो आरोपियों को अदालत में पेश कर पूछताछ, वारदात में इस्तेमाल हथियारों-वाहनों व छीने गए सामान की बरामदगी तथा अन्य सह-आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 2 दिन के रिमांड पर लिया है। मामले में आगे की तफ्तीश जारी है और जल्द ही अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।



रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं। आरोपी दीपांशु उर्फ गोलू के खिलाफ पहले भी थाना जाटूसाना व थाना मॉडल टाउन में लड़ाई-झगड़े के 2 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वही आरोपी नितिन उर्फ नेता के खिलाफ भी जिला भिवानी जीआरपी थाना, थाना माडल टाउन रेवाड़ी तथा थाना खोल में चोरी व मारपीट के 3 मामले दर्ज हैं।

धमकी देने और लाठी-डंडों से हमला करने का आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सीआईए धारूहेड़ा व धारूहेड़ा थाना पुलिस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान यशपाल उर्फ हन्नी निवासी गांव बुढाना के रूप में हुई है। गांव बुढाना निवासी युद्धवीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि गत 12 अगस्त को गांव बुढाना चौक से अपने गांव जाते समय रास्ते में यशपाल उर्फ हन्नी ने उसका रास्ता रोका और पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उसके साथ आए आरोपी अजीत, गौरव, विपिन, नररू, ओमबीर, राहुल और जितेंद्र ने उसके साथ लात-घूंसों, रॉड और डंडों से जमकर मारपीट की। इस हमले उसके दोनों पैर फ्रैक्चर हो गए तथा उसे गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने हत्या के प्रयास व आर्म्स एक्ट के संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी।



रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

आरोपी एक दिन के पुलिस रिमांड पर

सीआईए धारूहेड़ा व पुलिस की संयुक्त टीमो ने शनिवार को मामले में संलिप्त मुख्य आरोपी यशपाल उर्फ हन्नी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर पूछताछ, अन्य सह-आरोपियों की तलाश और वारदात में प्रयुक्त हथियारों की बरामदगी के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। आरोपी यशपाल उर्फ हन्नी एक आदतन अपराधी है। इसके खिलाफ पहले भी थाना धारूहेड़ा, थाना मॉडल टाउन और थाना सदर में मारपीट और छीना झपटी के 7 संगीन मामले दर्ज हैं।

स्वतंत्रता सेनानी आर डी सोमाणी की स्मृति में छात्रवृत्ति की घोषणा

रेवाड़ी। सोमाणी कॉलेज की ओर से स्वतंत्रता सेनानी आर डी सोमाणी की स्मृति में विशेष छात्रवृत्ति योजना की घोषणा की गई है। संस्थान प्रबंधन ने बताया कि 4 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक जो भी विद्यार्थी संस्थान में प्रवेश लेगा, उसे स्वतंत्रता सेनानी आर डी सोमाणी छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। संस्थान की स्थापना वर्ष 1999 में स्वतंत्रता सेनानी की स्मृति में हुई थी। संस्थान महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से संबद्ध और एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त है। संस्थान में 35 000 से अधिक पुस्तकों वाली कंप्यूटराइज्ड लाइब्रेरी, आधुनिक कंप्यूटर लैब, स्मार्ट क्लासरूम, अत्याधुनिक लैब, हॉस्टल और बेहतरीन प्लेसमेंट की सुविधा उपलब्ध है। संस्थान से पास आउट विद्यार्थी लोकसभा, विधानसभा, राष्ट्रपति भवन, देश-विदेश की मल्टीनेशनल कंपनियों, स्वयं की कंपनी, स्वयं का कारोबार और सरकार के सभी विभागों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। संस्थान में एमबीए, बीबीए, बीसीए, डी फार्मेसी व एम टेक पाठ्यक्रमों में प्रवेश चालू हैं।

मेनोपॉज से जुड़े विभिन्न शारीरिक एवं मानसिक पहलुओं की दी जानकारी



रेवाड़ी। रोटरी क्लब ऑफ रेवाड़ी सिटी की ओर से निजी बैंक्वेट हॉल में मेनोपॉज: केवल हॉट फ्लशेज तक सीमित नहीं विषय पर जागरूकता एवं संवाद सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञों ने रजोनिवृत्ति से जुड़े विभिन्न शारीरिक एवं मानसिक पहलुओं की जानकारी दी और महिलाओं की जिज्ञासाओं व समस्याओं का समाधान किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एजी रोटेरियन मीनाक्षी अरोड़ा रहीं। विशेषज्ञ वक्ताओं में सिविल अस्पताल की एसएमओ एवं आरओजीएस की अध्यक्ष डा. अर्चना यादव, स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं आईएमए की अध्यक्ष डा. नीरज यादव शामिल रही। दोनों विशेषज्ञों ने रजोनिवृत्ति के दौरान होने वाले बदलावों, स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों और आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में अध्यक्ष सहित क्लब के सदस्यों ने भाग लिया। विनीता यादव ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि डा. सुमित्रा यादव ने सत्र का संचालन किया। इसके बाद विशेषज्ञों के साथ संवादात्मक सत्र हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी चिंताएं और व्यक्तिगत समस्याएं साझा कीं। परियोजना अध्यक्ष डा. प्रज्ञा अग्रवाल ने बताया कि इस प्रकार के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाएंगे। रिम्पी गर्ग ने सभी का आभार जताया।

आगामी 6 नवंबर को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची

रेवाड़ी। जिले में एसआईआर-2026 के तहत मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य मिशन मोड में जारी है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डा. अभिषेक मीणा ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अभियान के कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। डीसी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाताओं से प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का नियमानुसार निपटारा 28 अक्टूबर तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दावों एवं आपत्तियों के निपटारे की प्रक्रिया पूरी होने के उपरांत 6 नवंबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान भारत निर्वाचन आयोग की ओर से निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं समय-सारणी की पूरी तरह पालना करें। मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए।

कथा भक्त प्रह्लाद और हिरण्यकशिपु की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया

अहंकार और अधर्म का अंत निश्चित, जबकि सच्ची भक्ति और धर्म की सदैव विजय होती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली के प्राचीन शिव मंदिर में पितृ पक्ष के अवसर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास राकेश महाराज ने भक्त प्रह्लाद और हिरण्यकशिपु की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने प्रह्लाद की भगवान विष्णु के प्रति अटूट भक्ति तथा हिरण्यकशिपु के अहंकार और उसके अंत का प्रसंग सुनाया। राकेश महाराज ने कहा कि हिरण्यकशिपु ने भगवान से मिले वरदान के कारण स्वयं को अजेय समझ लिया था और प्रह्लाद को भगवान की भक्ति से दूर करने के अनेक प्रयास किए, लेकिन प्रह्लाद की आस्था नहीं डगमगाई। अंततः भगवान विष्णु नरसिंह अवतार में प्रकट हुए और हिरण्यकशिपु का अंत कर प्रह्लाद की रक्षा की। उन्होंने श्रद्धालुओं को संदेश दिया कि अहंकार और अधर्म का अंत निश्चित है, जबकि सच्ची भक्ति और धर्म की सदैव विजय होती है। कथा के दौरान मंदिर परिसर भगवान के जयघोष और भजनों से भक्तिमय हो गया। प्राचीन शिव मंदिर के महंत रामदास महाराज ने श्रद्धालुओं से कथा के संदेश को अपने जीवन में अपनाने और धर्म एवं सदाचार के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस मौके पर हरिद्वार से व्यास के साथ आए शिवकांत शास्त्री और उनके साथी मौजूद रहे।



रेवाड़ी। कोसली के प्राचीन मंदिर में कथा सुनाते हुए राकेश महाराज। फोटो :हरिभूमि

भांडोर गांव में कड़बी में लगी आग हजारों का पशुचारा जलकर राख



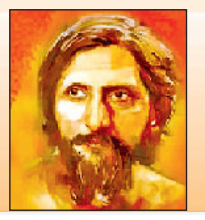
रेवाड़ी। भांडोर गांव में कड़बी में कड़बी में लगी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

भांडोर गांव में रविवार को एक ग्रामीण की कड़बी में लगी आग से हजारों रुपये का नुकसान हो गया। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक पशुचारा जलकर राख हो चुका था। गांव निवासी अनुपन ने पशुओं को चराने के लिए कडबी खरीदने के बाद प्लॉट में लगाई हुई थी। रविवार सुबह कड़बी से धुआं उठता देख ग्रामीणों ने शोर मचा दिया। ग्रामीणों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक सारी कड़बी जलकर राख हो चुकी थी। पुलिस ने आगजनी के कारणों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

पेट जितना भी भरा रहे, आशा कभी नहीं भरती। वह जीवों को कोई-न-कोई अप्राप्य, कुछ नहीं तो केवल रंगों की माया का इंद्रधनुष प्राप्त करने के मायावी दलदल में फँसा ही देती है।

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'



उसने अपनी आवाज़ दबने नहीं दी थी। यही आशंका तो आज उनके मन भी उठी! कहीं उसकी बेटी भी ठगी न जाए! दिनेश के परिवार ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। इसे वे विषपान की तरह गले से नीचे उतार गई। कई तरह का अपमान सहने की प्रक्रिया में एक दिन उन्हें पता चला कि दिनेश पूर्व विवाहित है। अपनी सफाई में दिनेश ने बहुत कुछ कहा था।





कहानी

अशोक जैन

दूसरे छोर पर

मौसम में ठंडक बढ़ने लगी है। दूर-दूर तक खामोशी है। लगता है कि उदासी सशरीर शाम के रूप में आकर फैल गई है। बरामदे में आराम कुर्सी पर अधलेटी सी मिसेज खन्ना मानसिक तपिश से अकुला रही है। दूर, बहुत ऊंचे तारों की ओढ़नी का चमकीलापन समेटे आकाश की ओर देखती उनकी आंखें, उनके होंठ आज इस तरह मौन हैं, जिनमें शाम की उदासी का आभास होता है, परंतु मन में खौलता बवंडर अब शांत हो चला है। कामवाली बाई दूसरी बार चाय लाई। 'मेम साहब, चाय लीजिए। दूसरी बार लाई हूं।' उसके स्वर में बेचारगी स्पष्ट है। 'ना, काकी। चाय नहीं चाहिए। बड़ी तपिश लग रही है।'

एक हल्की दर्द भरी मुस्कान उनके होंठों पर उभरी। 'तो कुछ ठंडा बना दूं क्या?' उसने फिर पूछा। 'नहीं, रहने दो।' नौकरानी ने अचकचा कर उनकी ओर देखा। फिर मन ही मन कुछ बुदबुदाते हुए लौट गई। वे आज किस गहन चिंता में हैं, कोई नहीं समझ सका। समझे भी कौन? नौकरानी, रामू कौन है जो उनके व्यक्तित्व को पढ़ सके। हां, पास मेज पर पड़ा वह अधखुला पत्र उनकी समस्त चेतना को जकड़े हुए है। मिसेज खन्ना का हाथ अचानक अपने माथे पर जा टिका। हल्की सिकुड़न से भरा माथा और दो-चार चांदी से सफ़ेद बाल, जो सहसा ही अंगुलियों को छू गये। आज आंसू भी उमड़ते हैं तो जैसे बीच में ही कोई उन्हें मोती सा चुग लेता है। जीवन का एक-एक पृष्ठ खुलता है और पहलू बदलती वे मिसेज खन्ना, सुविधा की मां नहीं, आज बस मधु बन गई है। शून्यता और अकेलेपन से भरते मन को धीरे कांपते हाथों का स्पर्श देती उनकी आंखें फूट पड़ने को हो गईं, पर अपने को संयत करते हुए वे सोचने लगी हैं: अब तो सब कुछ समाप्त हो गया --। किसके लिए रोये? क्यों रोये? दर्द से भीगे ठंडे उच्छवास हवा में वाष्प बन कर उड़ने लगे.....सुविधा ने पत्र में लिखा है: 'मम्मी! बीते महीने से ही यथा समय मैं तुम्हें पत्र नहीं लिख सकी। बाईगाड, बहुत व्यस्त रही। वो जो हमारे साथ सूरज था न, इसी सप्ताह विदेश जा रहा है। हम दोनों काफी समय से लिव इन में थे। अच्छी तरह जानते हैं एक-दूसरे को! इतने बड़े महानगर में सहारे को कोई तो चाहिए था न- बस!! वैसे भी वह हमारे मेडिकल कॉलेज का हीरो है, ममा। उसकी जिद थी कि विदेश जाने से पहले हम शादी कर लें। इतनी जल्दी में हो भी क्या सकता था! हमने कोर्ट मैरिज कर ली है। मम्मी! डोंट माइंड प्लीज। छोड़ो इन झूठे रीति-रिवाजों को। हां, यदि तुम्हारी बड़ी इच्छा होगी तो उसके लौट आने पर फेरे भी लगवा लेना। क्यों ठीक है न ममा? कालेज बंद होगा और मैं शीघ्र ही घर के लिए चल दूंगी। सूरज को हमने सीआफ कर दिया है।'

मिसेज खन्ना के मन में पत्र की पंक्तियां पानी में डोलते दियों सी झिलमिलाती हैं और उनकी कांपती लौ में मन जैसे आगे कुछ पढ़ ही नहीं पाता ! उनकी बेटी ने विवाह कर लिया! सूचना भी भेज दी है!!! मन में दबी कुंठा उभर आई। क्यों नहीं!! उनके विगत जीवन के इतिहास को भी निर्ममता से कुरेद दिया है। बस एक पत्र ने-- मन अपने धुंधलाते से अतीत में भटक गया है... वे भी अपने मां-बाप की इकलौती संतान थी। दिनेश से जब उन्होंने विवाह किया था, तब उनकी परिस्थिति में इतना भर ही तो अंतर था कि मां-बाप ने दबी जुबान से सहमति दिखलाई : 'बेटा, तुम पढ़ी-लिखी हो, समझदार हो अपना अच्छा बुरा समझती हो। पर- 'पर क्या मां? मैं भी तो अपना भला सोच सकती हूं न!'

उसने अपनी आवाज़ दबने नहीं दी थी। यही आशंका तो आज उनके मन भी उठी! कहीं उसकी बेटी भी ठगी न जाए! दिनेश के परिवार ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। इसे वे विषपान की तरह गले से नीचे उतार गई। कई तरह का अपमान सहने की प्रक्रिया में एक दिन उन्हें पता चला कि दिनेश पूर्व विवाहित है। अपनी सफाई में दिनेश ने बहुत कुछ कहा था। 'मधु, वह रिश्ता तो कहने भर को ही था। मन और शरीर तो उससे अबंधा और अछूता ही रहा--' 'इतना बड़ा अविश्वास! मुझे पहले क्यों नहीं बताया?' वह लगभग चीख पड़ी थी। वह चुप हो गया था और दोनों ने अपने रास्ते अलग-अलग कर लिए थे। तब सुविधा नन्हीं सी ही थी। मन की शून्यता के रहते उन्होंने सुविधा को अमिट दुलार देकर पाला-पोसा था। अपना सर्वस्व उन्होंने अपनी सुविधा पर ही केंद्रित कर दिया था। जीवन की हारी बाज़ी को मानो विजय में बदल डालना चाहती थी। दिनेश ने कई बार सुलह की कोशिश की, पर उस छलाव में वे दोबारा नहीं पड़ना चाहती थी। उनकी सुविधा बड़ी हो रही थी। कितनी रातें चिंताओं में कट जाती थीं। अपना क्या है, पर सुविधा को कोई दुःख न हो। अपनी बेटी में ही वह अपने आप को देखती थी-किंतु वे ठिठकीं : भूल कहां हो गई, वे समझ नहीं पा रही थीं। उन्होंने शायद अति आदर्श के पीछे ही तो नहीं अपने को खो दिया है, यानि इस बार फिर वो छली गई। मन का पोर-पोर जैसे व्यथा से भर उठा, किंतु अब वे बिखरेंगी तो फिर अपने को सहेज भी न सकेंगी। चेहरे पर विषाद फैलता जा रहा था। मन के कोने हल्के दर्द से पीड़ित होकर सिसकने लगे थे। जब सुविधा नन्हीं सी थी, तब कैसी बातें किया करती थी। और फिर उम्र के विकास के साथ-साथ वयस्क और गंभीर होती सुविधा -- यादें क्रमवार उमड़ने लगी थीं: कितनी संयत, कितनी धीर! कभी-कभी उसके गांभीर्य से वे घबरा उठतीं। वे चाहती थीं कि वह खूब चहके ताकि उनका रंगहीन जीवन मूकता की निस्पंदता से न सोया रहे। सुविधा की हंसी की खातिर वे बार-बार हंसती थीं और आज वही सुविधा -!! वह सोचते-सोचते क्षण भर को ठहरी! अपने भाग्य की विडंबना को याद कर मन तल्खी से भर उठा। कहीं सुविधा को भी उन लोगों ने न अपनाया तो! उस अभागिन के साथ तो उसकी बदनसीब मां का इतिहास भी है, पर सुविधा तो बड़े विश्वास से कहती है:' सूरज के पिता उसे बेटी की तरह दुलराते हैं।' सहसा बेटी का मोह भरा रूप, उसकी कोमल कामना जैसे उसके मन में भी झांक उठी और मन ममता से भीग उठा।

तभी घरघराती हुई मेट्रो ट्रेन से उनकी तंद्रा भंग हुई। उसने अपने आप को समेटा। वे झट से उठकर खड़ी हुई। अपने आपको व्यवस्थित किया। हरदम की तरह एक मुस्कान उनके होंठों पर खेल गई। उनके हाथ कुर्सी का हत्था छोड़कर आशीर्वाद देने की मुद्रा में हिले और मानो हर तरह से अपने को प्रस्तुत कर लिया था सुविधा के स्वागत के लिए। वातावरण में हल्की सी चांदनी फैल चुकी थी। झटके से उठने पर कुर्सी देर तक हिलती रही। बादलों का एक गुच्छा पश्चिम से उभरने लगा था, शायद बारिश भी हो। देर तक उसे देखते हुए वे अंदर की ओर बढ़ गई। कमरे में पहुंच कर उन्होंने आवाज लगाई: 'काकी, जरा एक कप चाय दे जाना।'

वे झट से उठकर खड़ी हुई। अपने आपको व्यवस्थित किया। हरदम की तरह एक मुस्कान उनके होंठों पर खेल गई। उनके हाथ कुर्सी का हत्था छोड़कर आशीर्वाद देने की मुद्रा में हिले और मानो हर तरह से अपने को प्रस्तुत कर लिया था

लघुकथा

इंतजार

मनहरी पिछले तीन दिन से खटिया पर पड़ी है। हाथ-पैर ऐंठने लगे हैं। उम्र नब्बे के पार होने को आई। परलोक गमन का समय आ पहुंचा था। पति तो कई वर्ष पहले ही भगवान को प्यारे हुए। एक बेटा और एक बेटी, बुढ़ापे का यही सहारा हैं। बेटा दिल्ली में सरकारी अफसर है। उसकी बहू भी वहीं किसी स्कूल में टीचर है। उन्हें मां का हाल-चाल जानने का वक्त ही कहां मिला, बुढ़ापे में कैसे वह चूल्हा जलाती है, कैसे रहती है और कैसे खाती-पीती है ?..हाँ, बेटी जरूर ससुराल से आती-जाती रही। मां का हाल जानने की चिंता और मां के प्रति उसकी सहानुभूति सदैव रही। दामाद भी उसके साथ दस-बीस रोज में आते-जाते रहे। घर में नाती-नातिन खूब धमा-चौकड़ी मचाते हैं। उनके कारण मनहरी का मन लगा रहता था। पति की यादें मनहरी के साथ हमेशा से रही। इस उम्र में उनकी यादों के सहारे वह जीती रही। जोड़-तोड़कर सब तो बेटे पर लगा दिया था। उसे पढ़ाया-लिखाया, नौकरी लगाया और दिल्ली में मकान भी बनवा दिया। कहता था- सब वहीं रहा करेंगे। लेकिन बाद में कहने लगा, शहर में बसेरा मुश्किल है, हमारा गुजर भी ठीक से नहीं हो पाता। उम्र बीत गई...अब किसी से क्या शिकवा-शिकायत, उसकी वो जाने?..गांव का घर भी तो खाली नहीं छोड़ा जा सकता था।



डॉ. सुरेश वशिष्ठ

शायद इसी से पिछले कुछ वर्षों में मनहरी को पति की बहुत याद आती रही। घर के निर्जन कोने में खटिया पर पड़ी वह उनका स्मरण करने लगती थी।...कितना प्रेम था उन्हें मनहरी से, खांसी भी आती तो बेचैन हो उठते। गांव के दवाघर से तुरन्त दवा लेने दौड़ पड़ते। घर के काम में भी हाथ बंटाते। अब इस उम्र में कैसे भी काम-धाम निबटा ही लेती। ललिता जब भी आती, झाड़-बुहारकर घर को साफ-सुथरा संवार देती। हर चीज को करीने से जगह पर रखती। मां के खाने-पीने, सेवा-सुश्रुषा का ध्यान रखती। दामाद भी जब तक रहते, किसी ना किसी काम को संवारने में ही लगे रहते। बुढ़ापे में जो पेंशन मिलती रही, उसी में गुजर होता रहा। छोटी नातिन से नानी को बहुत लाड है। वह नानी से खूब बातें करती और नानी की गोद में ही सिमटी रहती।

मनहरी का मन विभोर होने लगता। बेटा मनोज तो महीनों में घर आता था। घर आने पर हमेशा उसे वापस जाने की जल्दी लगी रहती थी। कभी अकेला तो कभी पत्नी को साथ लिए। पोते-पोती तो बहुत कम गांव में आते थे। उन्हें तो पढ़ाई से फुर्सत ही नहीं। दादी से मोह भी नहीं। पैदा भी दिल्ली में हुए और गांव में आना-जाना कम ही रहा। बहू हाल-चाल तो पड़ोसी के फोन पर भी जान लेती थी, लेकिन बुढ़ापे की प्रीत को वह कभी नहीं समझ पाई। मनहरी हमेशा उस प्रीत की जरूरत में कुढ़ती रही। ललिता मां के उलझे बालों को संवारती, पैरों में मालिश करती, कपड़े बदलती, नहलाती-धुलाती और सलीके से सब काम निबटा लेती। मनोज की बहू इन कामों से दूर ही रहती रही। मां की तबीयत को सुनकर बेटा और बहू आ तो गए, लेकिन उन्हें वापस जाने की बेचैनी बहुत थी। इंद्र काका मनहरी का हाल जानने दिन में कई बार आते। ललिता से सब पूछते और कुछ काम रहता तो करते भी।

ललिता तो खटिया से दूर जाती ही नहीं थी। बीच-बीच में आंसू बहाने लगती और मां की यादों में गुम रहती। बेटा उसे डांट देता, कहता - 'रोती क्यूं है, अब मां को तो जाना ही है। मां तो फिर भी नब्बे पार कर गई, लोग तो सत्तर-अस्सी भी नहीं पकड़ पाते। रो-धोकर हमारा भी मन मैला न कर! रोने का कोई मतलब नहीं।...हमें देख, ड्यूटी छोडकर यहां बैठे हैं। वहां जवान लड़की को पड़ोसियों के भरोसे छोड़कर आए हैं। वे हर दिन हमारी राह तकते हैं। अम्मा का भरोसा क्या, जाने को अभी चली जाएं, ना जाएं तो दस दिन बिता दें ! हम तो ऑफिस छोड़कर आ ही गए। इंतजार भी बहुत हुआ...सोचा था, अंतेष्ठी और तेरहवीं जल्दी निपटाकर लौट जाऊँगा लेकिन उनकी सांस है कि छूटती ही नहीं। राम भला करे...उम्र हो गई। आगे कष्ट ही बढेगा।' बेटी दर्द में तड़प उठती, कहती कुछ नहीं। मनहरी की सांसें अटकी ही रही। इंतजार कर बेटा-बहू लौट गए। ललिता वहीं रही। उसने मां की सेवा में दिन-रात एक कर दिया। आठवें दिन मनहरी ने आंखें खोली। बेटी खुश हुई। धीरे से उसने कहा-' भाई कहाँ है?' बेटी बोली- 'वह तो चला गया। कल तक यहीं था, भाभी भी यहीं थी।'

मनहरी की आंखों से आंसू टपक पड़े। धीरे से उसने कहा- 'गंगाजल डाल दे।' ललिता रोती हुई गंगाजल लेकर आई। माँ के मुख में कुछ बूंदें डाली और प्राण हवा हो गए। बेटी पहले तो कुछ समझ न सकी और फिर पछाड़ खाकर गिर पड़ी। इंद्र काका ने मनहरी की आंखों पर हाथ रखा और पलकें मूंद दी गई। नातिन भी रो-कर नानी की गोद में सिमट गई। दामाद दूर खड़ा आंसू बहाता रहा। इंद्र काका माथे पर हाथ रखकर बैठ गए। बेटे को इतला दे दी गई और उसका इंतजार होने लगा।

कवि कॉर्नर

कविता | सुधीर ढांडा कौल



दिल की बात

बचपन मे हम भी उड़ाते थे पतंग,
उड़ाते उड़ाते हो जाती थी रात ,
छत पर बैठे बैठे करते रहते थे
हम अपनी पतंग से दिल की बात।

दूसरों की पतंग काटने का हमे
बहुत चाव था,और काट ही लेते थे,
जब कट जाती थी पतंग हमारी
झट छत से कूदकर भाग लेते थे।

दूसरों की पतंग काटने पर खुशी ,
अपनी कटने पर दर्द होता था,
वो बचपन भी क्या खूब था,
कभी दिल हँसता, कभी रोता था।

जब कभी देखते हैं उड़ती हुई पतंग
तो बचपन याद आता है,
थमता नही ये वक्त, कटी पतंग की तरह
दूर निकल जाता है।

दूसरों की पतंग काटने में उस वक्त
'सुधीर, माहिर हुआ करता था,
उस वक्त मेरी पतंगबाजी का किस्सा जग
जाहिर हुआ करता था।

कविता | सपना



बचपन

वो माँ का प्यार,पापा की परवाह
वो दुलार बचपन का,बहुत याद आता है ।

जब कट्टी बट्टी से दोस्ती निभती थी
जब तकरार सिर्फ़ चुटकी भर की थी
वो रिश्ते बचपन के,बहुत याद आते हैं ।

वो हँसना बेवजह,रोना बेझिझक
वो रूठना मनाना दोस्तों का, बहुत याद आता है ।

जब घाव सिर्फ़ घुटने पर थे
जब जीत हार दो पल की थी
वो खेल बचपन के,बहुत याद आते हैं ।

वो घंटी स्कूल की, बस्ता और स्लेट
वो छुट्टियों में नानी का घर,बहुत याद आता है ।

जब सपनें नींद नहीं उड़ाते थे
जब हम सारी खुशियाँ ख़रीद लाते थे वो
सुकून नासमझ होने का,बहुत याद आता है ।

वो महल मिट्टी के,कश्ती काग़ज की
वो बारिशें बचपन की,बहुत याद आती हैं ।

जो गली पहचानती है आहट मेरी
जिस घर में गूँजती है आवाज मेरी
वो आसमाँ मेरे शहर का ,बहुत याद आता है ।

न कल की फ़िक्र,न आज का बोझ
वो पहला पन्ना जीवन का,बहुत याद आता है ।

कवि सम्मेलन का प्रतिभागिता सम्मान



व्यंग्य | कृष्ण गोपाल विद्यार्थी



कवि सम्मेलन का पंडाल अभी पूरी तरह खाली भी नहीं हुआ था, कुर्सियों पर चाय के खाली कुल्हड़ और समोसे के चिकने कागज़ हवा में उड़ ही रहे थे कि महाकवि 'व्यथित' जी ने मंच के कोने में जाकर अपनी जेब टटोली। कविता तो खैर उन्होंने ऐसी पढ़ी थी कि सामने बैठे कुल तेरह श्रोताओं में से सात नींद में चले गए थे, पांच अपने फोन पर रील्स देख रहे थे और एक आयोजक का साला था, जिसे हॉल की चाबी जमा करानी थी। किंतु महाकवि के चेहरे पर जो चमक थी, वह किसी ऑस्कर विजेता जैसी थी। हाथ में था सौ रुपये के लैमिनेशन में मढ़ा हुआ रंग-बिरंगा गत्ते का टुकड़ा, जिस पर सुनहरे अक्षरों में अंकित था-'काव्य-शिरोमणि प्रतिभागिता सम्मान'।

कवि सम्मेलन भले ही शाम सात से आठ चला हो, लेकिन असली काव्य-कर्म तो रात नौ बजे शुरू होना था। ऑटो में बैठते ही व्यथित जी ने सबसे पहले उस प्रमाण पत्र की ऐसी तस्वीर खींची, जिसमें उनके चेहरे की शिकन कम और आयोजक संस्था का नाम साफ़ दिखे। इसके बाद शुरू हुआ आधुनिक साहित्य का सबसे कठिन और अनिवार्य अनुष्ठान-'फेसबुकिया कृतज्ञता ज्ञापन'। कैप्शन गढ़ा गया, जिसमें विनम्रता की चाशनी में डूबा हुआ आत्म-प्रचार उफान मार रहा था:"आज 'अंतरराष्ट्रीय साहित्य संगम' गुप्ता जी के बेसमेंट में आयोजित विराट अखिल भारतीय काव्य निशा में देश के मूर्धन्य विद्वानों के सम्मुख अपनी तुच्छ रचनाएँ प्रस्तुत करने का पावन सुअवसर प्राप्त हुआ। अपार जनसमूह की तालियों की अनवरत गड़गड़ाहट और साहित्य-प्रेमियों के इस अगाध स्नेह से अभिभूत हूँ। इस अद्वितीय, ऐतिहासिक और अविस्मरणीय सम्मान हेतु अग्रज संयोजक श्री चुन्नीलाल जी का कोटिशः धन्यवाद एवं हार्दिक आभार! आपका यह ऋण जीवन भर नहीं चुका सकूँगा।" संयोजक चुन्नीलाल जी, जो हॉल का किराया बचाने के लिए बिजली का मेन स्विच पहले ही गिरा चुके थे, ने नोटिफिकेशन देखते ही तुरंत कमेंट दागा- "भाई व्यथित जी, आपकी कालजयी पंक्तियों ने आज पूरे ब्रह्मांड को हिला कर रख दिया। आप सरस्वती के वरदपुत्र हैं।" हकीकत यह थी कि उस हॉल में अगर कोई हिला था, तो वह पंखे का टूटा हुआ ब्लेड था, लेकिन साहित्य का यह अलिखित नियम है: 'तुम मेरी पीठ सहलाओ, मैं तुम्हारी जांघ पर तमगा टांगूँगा।' आधुनिक काव्य-जगत में अब कविता की उम्र उतनी ही रह गई है जितनी देर में प्रमाण पत्र की फोटो अपलोड होकर पचास 'लाइक' न बटोर ले। श्रोता भले ही नदारद हों, पंक्तियों में चाहे तुक का अकाल और भाव का सूखा पड़ा हो, मगर जब तक टाइमलाइन पर नीले फ्रेम वाला वह कागज नहीं चमकता, तब तक रचनाकार की आत्मा तृप्त नहीं होती। उस गत्ते के टुकड़े की कीमत यह है कि उसके लिए कवि अपनी कार का पेट्रोल फूंकता है, संयोजक के हर लतीफे पर ज़बरदस्ती अट्टहास करता है और फिर घर लौटकर दुनिया को यह विश्वास दिलाने में जुट जाता है कि कबीर और तुलसी के बाद अगर कोई बचा है, तो बस वही है- हाथ में प्रमाण पत्र थामे, कैमरे की ओर तिरछी मुस्कान फेंकता हुआ!

श्रोता भले ही नदारद हों, पंक्तियों में चाहे तुक का अकाल और भाव का सूखा पड़ा हो, मगर जब तक टाइमलाइन पर नीले फ्रेम वाला वह कागज नहीं चमकता, तब तक रचनाकार की आत्मा तृप्त नहीं होती।

कुछ हटकर

बीएएमएस : हेल्थकेयर सेक्टर में बनाएं मजबूत पहचान



डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

हेल्थकेयर सेक्टर के विस्तार के साथ आयुर्वेद और ट्रेडिशनल सिस्टम्स ऑफ मेडिसिन में भी करियर के अवसर बढ़ रहे हैं। बीएएमएस ऐसा अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम है, जिसमें आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के साथ मॉडर्न मेडिकल साइंसेज की बेसिक नॉलेज भी दी जाती है। यह कोर्स क्लिनिकल प्रैक्टिस, रिसर्च, वेलनेस, फार्मास्यूटिकल्स और गवर्नमेंट सर्विसेज जैसे क्षेत्रों में करियर के रास्ते खोल सकता है।बीएएमएस में विद्यार्थियों को मानव शरीर की संरचना एवं कार्यप्रणाली, रोगों की पहचान, आयुर्वेदिक डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट की जानकारी दी जाती है। प्रमुख विषयों में रचना शरीर, क्रिया शरीर, पदार्थ विज्ञान, द्रव्यगुण विज्ञान, रसशास्त्र एंड भैषज्य कल्पना, रोग निदान, कायचिकित्सा, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, प्रसूति एंड स्त्री रोग तथा कौमारभृत्य शामिल हैं। क्लिनिकल ट्रेनिंग और इंटर्नशिप भी कोर्स का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

प्रमुख विषय

बीएएमएस के बाद स्टूडेंट्स अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित कर सकते हैं। इनमें कायचिकित्सा, पंचकर्म, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, प्रसूति एवं स्त्री रोग, कौमारभृत्य, द्रव्यगुण तथा स्वस्थवृत्त एवं योग प्रमुख हैं। आज केवल डिग्री ही पर्याप्त नहीं है। बीएएमएस स्टूडेंट्स को कम्युनिकेशन, पेशेंट काउंसलिंग, डॉक्यूमेंटेशन, डिजिटल लिटरेसी, इंटरपर्सनल स्किल्स और रिसर्च स्किल्स पर भी ध्यान देना चाहिए। पेशेंट को सरल भाषा में ट्रीटमेंट समझाना और हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी का बेसिक ज्ञान रखना प्रोफेशनल ग्रोथ में मदद कर सकता है।



प्रमुख करियर रोल्स

- आयुर्वेदिक फिजिशियन
- मेडिकल ऑफिसर
- क्लिनिकल कंसल्टेंट
- पंचकर्म कंसल्टेंट
- वेलनेस कंसल्टेंट
- रिसर्च एसोसिएट
- हेल्थकेयर मैनेजमेंट प्रोफेशनल

हायर स्टडीज के विकल्प

सबीएएमएस के बाद स्टूडेंट्स एमडी, एमएस पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट प्रोग्राम्स और पीएचडी जैसे हायर स्टडीज ऑप्शंस चुन सकते हैं। हेल्थकेयर मैनेजमेंट, पब्लिक हेल्थ, योग, न्यूट्रिशन और वेलनेस जैसे इंटरडिसिप्लिनरी क्षेत्रों में अतिरिक्त क्वालिफिकेशन भी उपयोगी हो सकती है।

एंटरप्रेन्योरशिप और सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट

सरकारी बीएएमएस ग्रेजुएट्स अनुभव और आवश्यक नियमों का पालन करते हुए आयुर्वेदिक क्लीनिक, पंचकर्म सेंटर, वेलनेस सेंटर या हेल्थकेयर कंसल्टेंसी शुरू कर सकते हैं। आयुर्वेदिक मेडिसिन्स, हर्बल प्रोडक्ट्स और वेलनेस सर्विसेज से जुड़े बिजनेस भी संभावित विकल्प हैं।

- बीएएमएस के बाद इनकम

बीएएमएस के बाद इनकम क्वालिफिकेशन, एक्सपीरियंस, लोकेशन, जॉब प्रोफाइल, क्लिनिकल एक्सपर्टाइज और प्रैक्टिस मॉडल पर निर्भर करती है। गवर्नमेंट जॉब में पे स्ट्रक्चर संबंधित सरकारी नियमों के अनुसार होता है, जबकि प्राइवेट प्रैक्टिस और बिजनेस में इनकम पेशेंट बेस, सर्विसेज और बिजनेस स्केल से प्रभावित हो सकती है। बीएएमएस उन स्टूडेंट्स के लिए उपयोगी करियर विकल्प हो सकता है, जिनकी रुचि आयुर्वेद, हेल्थकेयर, पेशेंट केयर और वेलनेस में है।

मोटिवेशनल

सही समय का इंतज़ार नहीं, शुरुआत ज़रूरी



विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

जीवन में आगे बढ़ने की इच्छा लगभग हर व्यक्ति के भीतर होती है। कोई प्रतियोगी परीक्षा में सफलता चाहता है, कोई व्यवसाय शुरू करना चाहता है, कोई किताब लिखना चाहता है, कोई नई भाषा सीखना चाहता है तो कोई अपने जीवन की दिशा बदलना चाहता है। सपने अलग हो सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने के रास्ते में एक समान बाधा अक्सर दिखाई देती है, सही समय का इंतज़ार।हम अक्सर खुद से कहते हैं कि जब परिस्थितियां बेहतर होंगी, समय अधिक मिलेगा, आर्थिक स्थिति सुधरेगी, आत्मविश्वास बढ़ेगा या परिवार और समाज का पूरा सहयोग मिलेगा, तब शुरुआत करेंगे। लेकिन जीवन का अनुभव बताता है कि आदर्श परिस्थितियां हमेशा इंतज़ार नहीं करतीं। कई बार परिस्थितियां शुरुआत के बाद ही बदलती हैं।दरअसल, शुरुआत शायद ही कभी पूरी तैयारी के साथ होती है। जो विद्यार्थी पहली बार मंच पर खड़ा होता है, वह अनुभवी वक्ता नहीं होता। जो युवा पहली बार प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी शुरू करता है, उसके पास शुरुआत में पूरी रणनीति नहीं होती। जो व्यक्ति पहली बार लेख लिखता है, उसकी भाषा में पूर्णता नहीं होती। लेकिन हर विशेषज्ञ कभी न कभी शुरुआती व्यक्ति रहा है।पहला कदम छोटा हो सकता है, लेकिन उसका महत्व छोटा नहीं होता।अक्सर लक्ष्य की दूरी हमें पहला कदम उठाने से रोकती है। हम यह भूल जाते हैं कि लंबी यात्राएं भी छोटे-छोटे कदमों से ही पूरी होती हैं। प्रतिदिन केवल एक घंटा किसी नई चीज को सीखने में लगाना शायद एक दिन में कोई बड़ा परिवर्तन न दिखाए, लेकिन छह महीने या एक वर्ष की निरंतरता उसी एक घंटे को एक बड़ी उपलब्धि में बदल सकती है।समस्या हमेशा समय या संसाधनों की कमी नहीं होती। कई बार समस्या उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल शुरू न करना होती है।आज सीखने के साधन पहले से कहीं अधिक उपलब्ध हैं। "कल से शुरू करूंगा" जीवन के सबसे महंगे वाक्यों में से एक हो सकता है।क्योंकि कल आता है तो आज बन जाता है और फिर वही आज अगले कल में बदल जाता है।इस चक्र को तोड़ने का एक ही तरीका है, बड़े लक्ष्य को छोटे काम में बदल देना। किताब लिखनी है तो पहला पृष्ठ लिखिए। परीक्षा की तैयारी करनी है तो पहला अध्याय पढ़िए। स्वास्थ्य बेहतर करना है तो आज कुछ कदम अधिक चलिए।

ग़ज़ल

बहुत पहले से उन क़दमों की चोट जान लेते हैं

बहुत पहले से उन क़दमों की चोट जान लेते हैं
तुझे ऐ जिंदगी हम दूर से पहचान लेते हैं

मिरी नजरें भी ऐसे कातिलों का जान ओ ईमान है
निगाहें मिलती ही जो जान और ईमान लेते हैं

जिसे कहती है दुनिया कामयाबी वाए नादानी
उसे किन कीमतों पर कामयाब इनसान लेते हैं

निगाह-ए-बादा-गुन यूं तो तीरी बातों का क्या कहना
तीरी हर बात लेकिन एहतियातन छान लेते हैं

तबीयत अपनी घबराती है जब सुनसान रातों में
हम ऐसे में तेरी यादों की चादर तान लेते हैं

खुद अपना फैसला भी इश्क में काफी नहीं होता
उसे भी कैसे कर गुजरें जो दिल में ठान लेते हैं

हयात-ए-इश्क का इक इक नफस जाम-ए-शहादत है
वो जान-ए-नाज-बरदारन कोई आसान लेते हैं

तुझे घाटा न होने देंगे कारोबार-ए-उल्फत में
हम अपने सार तीरा ऐ दोस्त हर एहसान लेते हैं

'फ़िराक़' अक्सर बदल कर भेस मिलता है कोई काफ़िर
कभी हम जान लेते हैं कभी पहचान लेते हैं



फ़िराक़ गोरखपुरी
शायर

खबर संक्षेप

अग्रवाल सभा की कार्यकारिणी भंग

कोसली। अग्रवाल सभा कोसली की बैठक रविवार को लाला रामरतन गर्ग धर्मशाला में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सभा के प्रधान सुभाष गर्ग ने की।

बैठक में अग्रवाल सभा की पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर दिया गया। गर्ग ने बताया कि नई कार्यकारिणी का गठन करने के लिए 5 अक्टूबर को शाम के समय इसी धर्मशाला में सभा के सदस्यों की बैठक होगी। बैठक में नए प्रधान की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने सभा के सभी सदस्यों से बैठक में ज्यादा से ज्यादा की संख्या में सभा के सदस्यों से पहुंचने की अपील की है।

आरपीएस स्कूल में सेवा के रंग, राष्ट्र के संग आज

रेवाड़ी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सोमवार को आरपीएस स्कूल हांसाका में सेवा के रंग, राष्ट्र के संग रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में विधायक लक्ष्मण सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करेंगे। डीसी अभिषेक मीणा के नेतृत्व में जिले में सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न विभागों की ओर से जागरूकता कार्यक्रम और शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

संदिग्ध ठिकानों पर अलसुबह छापेमारी से नशा तस्करों में हड़कंप

नशे के खिलाफ सीआईए व पुलिस की संयुक्त टीमों ने कई स्थानों पर मारे छापे

धारूहेड़ा क्षेत्र के टाउन पार्क में कई स्थानों पर मारे छापे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से अपराधों पर लगाम और नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए रविवार को बड़ी कार्रवाई की गई। सीआईए धारूहेड़ा, डॉग स्क्वॉयड और धारूहेड़ा थाना पुलिस की टीमों ने संयुक्त रूप से कई संवेदनशील और सार्वजनिक स्थानों पर विशेष सर्च एवं चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान धारूहेड़ा क्षेत्र के टाउन पार्क के पास व नंदरामपुर बास रोडसहित अनेक संवेदनशील स्थानों पर छापामारी की गई।

इस दौरान धारूहेड़ा थाना एसएचओ फूल कुमार, सीआईए इंचार्ज धारूहेड़ा इंस्पेक्टर योगेश हुड्डा और डॉग स्क्वॉयड की टीमों ने भारी पुलिस बल के साथ इलाके के विभिन्न संदिग्ध मकानों, ठिकानों और सार्वजनिक स्थानों की बारीकी से तलाशी ली।





रेवाड़ी। स्निफर डॉग के साथ तलाशी लेते हुए पुलिस व धारूहेड़ा में संदिग्ध ठिकाने पर मौजूद पुलिस बल।

जिले को नशामुक्त बनाने में सहयोग करें आमजनः एसपी



एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले को पूरी तरह से नशामुक्त बनाना और समाज में सुरक्षित माहौल पैदा करना है। जो लोग युवाओं को नशे की गर्त में धकेल कर उनके भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस नशे के काले कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पुलिस की टीमें लगातार फील्ड में सक्रिय हैं और यह चेकिंग अभियान भविष्य में भी इसी तरह पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा। एसपी ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि वे जिले को अपराध और नशामुक्त बनाने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। यदि किसी भी नागरिक को अपने आसपास नशा बेचने, तस्करी करने या किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत पुलिस को डायल 112 या मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर सूचित करें।

स्निफर डॉग्स की मदद से खंगाले ठिकाने

नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए पुलिस की टीमों ने अलसुबह ही चिन्हित क्षेत्रों में दस्तक दी। अभियान के दौरान विशेष रूप से प्रशिक्षित स्निफर डॉग्स को शामिल किया गया था ताकि जमीन या घरों में छिपाकर रखे गए किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों का तुरंत पता लगाया जा सकें। पुलिस की इस अचानक हुई छापेमारी से नशा तस्करों और असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया।



रेवाड़ी। प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर जगदेव यादव का अभिनंदन करते एसोसिएशन के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

जगदेव यादव बने प्राइवेट स्कूल एसो. के प्रदेश उपाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की राज इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित प्रदेश स्तरीय चुनावी बैठक में एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला के चेयरमैन जगदेव यादव को हरियाणा प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन का प्रदेश उपाध्यक्ष चुना गया है। स्कूल संचालकों एवं शिक्षा जगत से जुड़े प्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। जगदेव यादव का शिक्षा एवं संगठन के क्षेत्र में लंबे समय से उल्लेखनीय योगदान रहा है। एसोसिएशन के संरक्षक जवाहर सिंह दूहन ने कहा कि जगदेव यादव की व्यवहार-कुशलता और साथियों को साथ लेकर चलने की क्षमता एसोसिएशन के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल यादव ने कहा कि जगदेव यादव स्कूल संचालकों की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए सदैव सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनके इस पद पर आने से प्रदेश के निजी विद्यालयों की एकता और अधिक सुदृढ़ होगी।

एकजुट करना उद्देश्य

प्रदेश उपाध्यक्ष जगदेव यादव ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य प्रदेश के निजी विद्यालयों को एक मजबूत एवं एकजुट मंच पर लाना रहेगा। विद्यालय संचालकों की समस्याओं, अधिकारों और आवश्यकताओं को संगठन के माध्यम से मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यालयों की मजबूती केवल किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सभी विद्यालय संचालकों की सामूहिक शक्ति और एकता ही संगठन की वास्तविक ताकत है। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए विद्यालय संचालक, प्राचार्य व शिक्षाविद उपस्थित थे।

देश का इतिहास अपने अंदर महान परंपराओं को समेटे हुएः डा. दीपक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को आशियाना वृद्धाश्रम में संस्कार निर्माण का कार्यक्रम आओ फिर से चले सनातन की राह पर का आयोजन किया गया। इस मौके पर आशियाना वृद्धाश्रम के अध्यक्ष दिनेश राजपाल, मुख्य अतिथि डा. दीपक यादव पूर्व प्रधान जिला आईएमए व संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि हमारे देश का गौरवशाली इतिहास अपने अंदर महान परंपराओं को समेटे हुए हैं। हमारे देश की महान परंपरा में शादी विवाह दिन के उजाले में ही होते थे। गोधूलि अर्थात सायं काल से पहले कन्या की विदाई का विधान था, लेकिन मुगल काल में आतंकवादी लुटेरे जो दिन के समय जा रही दुल्हन की डोली को लूट लेते थे। उन दुष्टों के कारण रात के अंधेरे में गुपचुप तरीके से घर में विवाह संपन्न किए जाने लगे। रात के समय ही दुल्हन की विदाई की जाने लगी, लेकिन वर्तमान में हालात सामान्य है। शिक्षाविद प्रोफेसर सी एल सोनी व प्रधान अरुण गुप्ता ने कहा कि हमारे सनातन में दिन का समय सत्संग-कथा श्रवण इत्यादि के लिए निश्चित रहा है।



रेवाड़ी। कार्यक्रम में सम्मानित करते हुए आयोजक।

दिन के समय करना चाहिए सत्संग

रात्रि के समय तेज आवाज के यंत्र लगाकर रात्रि काल की शांति को भंग करने से प्रकृति में बाधा पड़ती है, जिससे प्रकृति असंतुलित हो जाती है। अतः हमें सनातन की परंपरा के अनुसार यथासंभव सत्संग का आयोजन दिन के समय ही करना चाहिए। पतंजलि के जिला प्रभारी दयाराम आर्य व जय प्रकाश आर्य ने सभी साधकों को आसान व प्राणायाम का अभ्यास कराया। भजन गायिका सोनिया पोपली, निशा लुगानी व सोनिया कपूर ने मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान-सागर में नैना तार देइ भजन सुनाकर सभी को भाव विभोर किया। उल्लेखनीय सेवाओं के लिए श्रीराम युवा शाखा के प्रधान जतिन सैनी सीए, सेवानिवृत्ति सीआईडी इंस्पेक्टर अजय भारद्वाज, समाजसेवी सुदर्शन मेहंदीरत्ता, उपप्रधान हेमंत ग्रोवर व पर्यावरणविद् राजेंद्र गेरा को सम्मानित किया गया।

डिजिटल युग में नए तरीकों से हो रही साइबर ठगी



रेवाड़ी। जिला पुलिस की ओर से साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने तथा लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाए जा रहे है। साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र सिंह की टीम ने आईएमटी बावल स्थित कंपनी का दौरा किया। इस दौरान कर्मचारियों और अधिकारियों को साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों व उनसे बचाव बारे जागरूक किया गया। साइबर थाने से पीएसआई रोहित तथा एचसी हरि ओम ने कहा कि आज के डिजिटल युग में साइबर अपराधी रोजाना नए-नए तरीकों से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। थोड़ी सी असावधानी या लालच के कारण लोग अपनी गाढ़ी कमाई गंवा बैठते हैं। सतर्कता और जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचने का सबसे प्रभावी हथियार है। कर्मचारियों को इन महत्वपूर्ण बिंदुओं की दी जानकारी ऑनलाइन जॉब व टास्कः वर्क फ्रॉम होम या घर बैठे वीडियो लाइक करके कम समय में ज्यादा मुनाफा कमाने के झांसे में न आएं। ओटीपी व व्यक्तिगत जानकारीः किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ अपना बैंक ओटीपी, पासवर्ड, यूपीआई पिन, क्रेडिट-डेबिट कार्ड नंबर या आधार विवरण कभी साझा न करें। संदिग्ध लिंक से बचावः व्हाट्सएप, एसएमएस या ईमेल पर आने वाले किसी भी अज्ञात या संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और न ही कोई अप्रमाणित ऐप इंस्टॉल करें। डिजिटल अरेस्ट व फेक कॉलः कस्टम, सीबीआई, पुलिस या डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर पैसे ऐंठने वाले फोन कॉल से सावधान रहें। पुलिस या कानून प्रवर्तन एजेंसियां कभी भी ऑनलाइन पैसे की मांग नहीं करती। सुरक्षित डिजिटल भुगतानः क्यूआर कोड केवल भुगतान करने के लिए स्कैन किया जाता है, पैसे प्राप्त करने के लिए कभी भी पिन दर्ज करने या क्यूआर कोड स्कैन करने की आवश्यकता नहीं होती। साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दें सूचना

गर्ल्स कॉलेज से चुनाव सामग्री हटाने की मांग, दो साल से बंद हैं कई कमरे

- मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री सहित हाईकोर्ट से संज्ञान लेने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राजकीय महिला महाविद्यालय सेक्टर-18 में दो साल से कमरों चुनाव सामग्री रखी हुई है। चुनाव सामग्री रखे रहने से कॉलेज में लंबे समय से कमरों का अभाव हो रहा है। कॉलेज में छात्राओं की संख्या अधिक होने के कारण कक्षाएं लगाने में परेशानी हो रही है। सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश खरखड़ा ने मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री व मुख्य सचिव को पत्र भेजकर कमरों को खाली कराने की मांग की है। प्रकाश खरखड़ा ने कहा कि वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव को काफी समय बीत चुका है, इसके बावजूद चुनाव सामग्री अभी भी महाविद्यालय के कमरों में रखी हुई है, इसकी तत्काल समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में पहले से ही कक्षों की कमी की स्थिति बताई जा रही है और छात्राओं को कई बार बरामदे आदि वैकल्पिक स्थानों पर पढ़ाई करनी पड़ रही है। ऐसे में शैक्षणिक कक्षों का लंबे समय तक चुनावी उपयोग छात्राओं के हित में उचित नहीं है। उन्होंने अधिकारियों से चुनाव सामग्री के लिए उपयोग किए जा रहे सभी कमरों की स्थिति स्पष्ट करने और जिन कमरों की चुनाव संबंधी आवश्यकता समाप्त हो चुकी है, उन्हें बिना किसी और देरी के खाली कराने की मांग की है।



रेवाड़ी। सेक्टर-18 स्थित गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज।

हाईकोर्ट से भी संज्ञान लेने की मांग

सामाजिक कार्यकर्ता ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को भी पत्र भेजकर राजकीय महिला महाविद्यालय सेक्टर-18 रेवाड़ी व राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-14 गुरुग्राम के शैक्षणिक कक्षों में लंबे समय से रखी चुनाव सामग्री के मामले में जनहित में संज्ञान लेने और आवश्यक निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है।

नियमित सत्संग से मिलता है आत्मविश्वास



रेवाड़ी। रविवार को जांगिड़ भवन में दो दिवसीय विश्व हिंदू परिषद हरियाणा प्रांत की प्रांत कार्यकारिणी बैठक एवं प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में इंद्रप्रस्थ क्षेत्र संगठन मंत्री नीरज धनोरिया का मार्गदर्शन रहा। कार्यक्रम में परियोजनाओं, प्रशिक्षण वर्गों तथा कार्ययोजना पर संगठन के आगामी कार्यों और योजनाओं पर चर्चा की गई। प्रांत संगठन मंत्री राधेश्याम तथा प्रांत मंत्री यशवंत शेखावत ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं कार्य विस्तार की योजनाओं की जानकारी दी। संगठन की आगामी गतिविधियों में सामाजिक समरसता, सत्संग, से जुड़े विषयों को प्रमुखता देने पर चर्चा हुई। धर्मांतरण की घटनाओं तथा घर वापसी के कार्य को लेकर भी कार्ययोजना पर विचार किया गया। बैठक में सामाजिक समरसता का कार्य देख रहे वरिष्ठ प्रचारक ईश्वर लाल ने कहा कि अशोक सिंघल के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हरियाणा प्रांत में सामाजिक समरसता को केंद्र में रखते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत सामाजिक समरसता संगोष्ठियों सहित समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संपर्क एवं संवाद बढ़ाने के लिए कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। प्रांत संगठन मंत्री राधेश्याम ने कहा कि समय-समय पर अनुभवी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर आगामी कार्ययोजनाओं पर चर्चा करना कार्यकर्ताओं को और अधिक सक्षम एवं प्रभावी बनाता है।

28.5 लाख की ठगी में 5वां आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

साइबर थाना पुलिस ने शहर के एक व्यापारी से ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर मोटे मुनाफे का लालच देकर 28.54 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा के गांव आदर्श नगर टिका निहंग निवासी रितिक कुमार उर्फ छोटू को काबू किया है। पुलिस इस मामले में चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत वर्ष 25 अगस्त को मोहल्ला नई आबादी निवासी व्यापारी योगेश गोयल ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसने इंटरनेट पर ऑनलाइन ट्रेडिंग से मोटा मुनाफा कमाने का विज्ञापन देखने के बाद उस पर दिए गए नंबरों पर संपर्क किया। बातचीत के बाद उसे बताया गया कि उनकी साइट पर पैसा इन्वेस्ट करने पर ब्याज व बोनस मिलेगा। खाते में मुनाफा डालकर दिया लालच इसके बाद उसका एक वैलेट बनवाया गया, जिसमें उसने 17 अगस्त को 10 लाख रुपये इन्वेस्ट कर दिए। यह रकम जमा कराने के बाद उसे बताया गया कि उसका 4 लाख रुपये का मुनाफा वैलेट में आ गया है। अब उसके खाते में राशि 14 लाख हो गई है। राशि निकालने के लिए उसे 10 लाख रुपये और जमा कराने होंगे। उसने यह राशि भी जमा करा दी। उसे बताया गया कि अब उसका बोनस और मुनाफा बढ़कर 30 लाख रुपये हो गया है। इसे निकालने के लिए जीएसटी सहित 854430 रुपये और जमा कराने होंगे।



रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

चार पहले ही पकड़े

पुलिस ने मामले में संलिप्त चार आरोपी यूपी के जिला चंदोली के गांव ओयरचक खुरहट सैयादराजा निवासी लियाकत,यूपी के जिला चंदौली के गांव करोती निवासी हेमंत पांडे, पंजाब के जिला मोहाली के गांव कान्सल निवासी जाफर खान व जिला अम्बाला के सेक्टर-9 हाल आबाद पंजाब के मोहाली के खरड़ की वर्ल्ड वन सोसायटी निवासी सुखमनजीत सिंह को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

कॉलेज में 14वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता कल

कोसली। कोसली के राजकीय महाविद्यालय में 14वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 6 अक्टूबर मंगलवार को उत्साह एवं खेल भावना के साथ किया जाएगा। कार्यक्रम में 28वीं बटालियन आईटीबीपी जाटूआना के कमांडेंट अखिल जैन मुख्य अतिथि तथा एडवोकेट योगेश आर्य विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्राचार्या डा. लाज कौशल ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेलों से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के तीन विद्यार्थी प्रियंका, किरण एवं आशीष का इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के बैडमिंटन ट्रायल में ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है।

न्यूज डायरी

एटीएम कार्ड ब्लॉक, केवाईसी अपडेट का डर दिखाने वाले व्यक्ति पर न करें भरोसाः एसपी

रेवाड़ी। साइबर अपराधी लोगों की बैंकिंग जानकारी हासिल करने के लिए लगातार नए-नए तरीके अपना रहे हैं। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने आमजन को फर्जी बैंक कॉल से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि फोन पर खुद को बैंक अधिकारी या कस्टमर केयर कर्मचारी बताकर एटीएम कार्ड ब्लॉक होने, केवाईसी अपडेट न होने अथवा बैंक खाता बंद होने का डर दिखाने वाले व्यक्ति पर भरोसा न करें। उन्होंने बताया कि साइबर ठग पहले व्यक्ति को डराकर जल्दबाजी में निर्णय लेने के लिए मजबूर करते हैं। इसके बाद एटीएम कार्ड चालू रखने या केवाईसी अपडेट करने के बहाने कार्ड नंबर, सीवीवी, ओटीपी अथवा पिन जैसी गोपनीय बैंकिंग जानकारी मांगते हैं। कई बार मोबाइल पर फर्जी लिंक भेजकर उस पर क्लिक करने या संदिग्ध ऐप डाउनलोड करने के लिए भी कहा जाता है। ऐसी जानकारी साझा करने से बैंक खाते से अनधिकृत लेनदेन हो सकता है। पुलिस की सतर्क रहने की अपील ओटीपी, एटीएम पिन, सीवीवी और कार्ड संबंधी गोपनीय जानकारी किसी से साझा न करें।



बायोडायवर्सिटी पार्क में योगा उपकरण और मेडिटेशन जोन होंगे स्थापित

रेवाड़ी। वन विभाग की देखरेख में गांव बूढ़पुर में करीब पचास एकड़ भूमि पर विकसित किए जा रहे राव मोहर सिंह बायोडायवर्सिटी पार्क का रविवार को वन बल प्रमुख पीसी मीणा ने निरीक्षण किया तथा वन विभाग के उच्च अधिकारियों को इस पार्क को पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और आधुनिक सुविधाओं की त्रिवेणी के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वन कंजर्वेटर सुभाष यादव, बायोडायवर्सिटी बोर्ड से डा. सुरेंद्र यादव, डीएफओ दीपक नंदा, आरएफओ संदीप यादव, कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह के निजी प्रवक्ता हरिंद्र यादव व डा. योगेश यादव सहित वन विभाग के अन्य अधिकारी व ग्रामीण उपस्थित रहे। बायोडायवर्सिटी पार्क में 100 से अधिक वानस्पतिक प्रजातियां लगाई जा रही हैं। पार्क में रनिंग ट्रैक, वॉकिंग पगदंडी और पिकनिक स्पॉट, नेचुरल वॉक-वे तैयार किए जा रहे हैं। घने पेड़ों की छांव में ग्रामीणों व पर्यटकों के बैठने के लिए प्राकृतिक पिकनिक स्पॉट्स विकसित किए जाएंगे। पार्क में युवाओं और बुजुर्गों के स्वास्थ्य लाभ के लिए योगा उपकरण व मेडिटेशन जोन स्थापित होंगे।



जैन पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय एड्यु कांफ्रेंस का संगीत , नृत्य और अभिनय की प्रस्तुति के साथ समापन

अर्थमंथन में शिक्षा को राष्ट्र के लिए समर्पित का दिया संदेश

तकनीकी सत्रों में विद्यार्थियों ने डिजिटल इंडिया विषय पर पीपीटी से दी प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जैन पब्लिक स्कूल में आयोजित दो दिवसीय एड्यु कांफ्रेंस अर्थमंथन का विचारों व अनुभवों के मंथन के बीच संगीत, नृत्य एवं अभिनय की प्रस्तुति के साथ समापन किश गया। प्रस्तुति के आधार पर डीपीएस की टीम विजेता बनी। इस मौके पर 2027 में 14 व 15 अगस्त को एड्यु कांफ्रेंस कराने की घोषणा भी की गई। विद्यालय के मीडिया प्रभारी गोपाल शर्मा ने बताया कि कांफ्रेंस के दूसरे दिन सामाजिक कार्यकर्ता तरुण मिश्रा, कापोरेंट मामलों के मंत्रालय के निदेशक संजय जैन, आईसीएआई के पूर्व प्रधान सीए अतुल गुप्ता व बार के प्रधान सौरभ राव सहित अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों से नंबरों की दौड में रहने की बजाय व्यवहारिक ज्ञान से हुनर पाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि शिक्षा को स्वयं की संतुष्टि तथा राष्ट्र एवं समाज की सेवा में लगाना चाहिए। प्रबंधन समिति के प्रधान सीए मोहित जैन, उपप्रधान सीमा जैन, सचिव अमित जैन, प्रबंधक प्रवीण जैन, कोषाध्यक्ष सचिन जैन, शासकीय निकाय सदस्य विजय जैन, रविंद्र जैन, प्रद्युम्न जैन, निपुण जैन, प्रधानाचार्या प्रतिमा शर्मा, उपप्रधानाचार्या विजय गुप्ता व अंकुर प्रभारी लीना मखीजा ने अतिथियों को सम्मानित किया। तकनीकी सत्रों में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने डिजीटल इंडिया, आयुष्मान भारत, मुद्रा जीवन शक्ति आदि विषयों पर पीपीटी के माध्यम से शानदार प्रस्तुति दी। वाणिज्य विभाग की अगुवाई मे चले कार्यक्रम में जेपीएस के अतिरिक्त डीपीएस, आरपीएस, ब्लिश स्कूल, एमपीएस भिवाडी, जीएलएच, जैन गर्ल्स स्कूल, सूरज स्कूल, होली चाइल्ड स्कूल आदि स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। अतिथियों एवं प्रबंधन समिति ने विजेताओं को सम्मानित किया। छात्र परिषद महासचिव रक्षित ने कार्यक्रम पर विचार प्रस्तुत किए तो वाणज्य विभागाध्यक्ष श्रुति मेहता ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम का समापन रंगारंग म्यूजिकल नाइट से हुआ।



रेवाड़ी। कार्यक्रम में विजेताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

संजोली और एंजल बनी विजेता

एड्यु कांफ्रेंस के परिणामों की घोषणा प्रधानाचार्या ने की। डीपीएस की संजोली जैन व एंजल की टीम को पहला, जेपीएस के किंशुक व पंकज तथा ओपन प्रतिभागी लविष्का व कशिका को दूसरा, एपीएस भिवाड़ी के कृष्ण व ज्ञाना तथा आरपीएस की रीतिका व रिया को तीसरा स्थान मिला। जैन गर्ल्स की वैशाली व नसरीन, जीएलएच स्कूल के आयुष व वीरेन तथा सूरज स्कूल की वाणी व शाखा ने सांत्वना पुरस्कार पाया।

ग्राम पंचायत मीरपुर
जिला रेवाड़ी (हरियाणा)

सभी को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मीरपुर में एक ट्यूबवैल ऑपरेटर की अस्थाई रूप से नियुक्ति की जानी है। इसके लिए 10वीं पास इच्छुक उम्मीदवार अपना आवेदन पत्र दिनांक 04.10.2026 से दिनांक 10.10.2026 तक प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक ग्राम पंचायत मीरपुर के पास जमा कराए।

सरपंच
ग्राम पंचायत मीरपुर, जिला रेवाड़ी

कोसली क्षेत्र के गांव से कॉलेज गई छात्रा लापता

कोसली। कोसली क्षेत्र के गांव में घर से कॉलेज जाने की कहकर गई छात्रा लापता हो गई। लापता छात्रा के पिता ने कोसली थाने में दी शिकायत में बताया कि उनकी 18 वर्षीय बेटी शनिवार प्रातः घर से रेवाड़ी कॉलेज गई थी, लेकिन वापस घर नहीं आई। उन्होंने अपने स्तर पर उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया। पिता ने कोसली गांव के एक युवक पर उसे बहला फुसला कर कहीं ले जाने का संदेह जताया है। पुलिस ने पिता की शिकायत पर फिलहाल गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है।

दो दशक पहले अहीर बेल्ट रही इनेलो का गढ़, अभय को वापसी के लिए 'बूढ़े शेर' का सहारा

- रघु यादव के सहारे अहीरवाल में पकड़ मजबूत बनाने के प्रयास, लंबे समय बाद एक्टिव मोड में नजर आने लगे जलयुद्ध के नायक

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

दक्षिणी हरियाणा में एसवाईएल नहर के पानी की लड़ाई लड़ते हुए वर्ष 1991 में नारनौल में पुलिस लाठीचार्ज के बाद 'जलयुद्ध के नायक' और 'जिंदा शहीद' का दर्जा हासिल करने वाले रघु यादव राजनीति के मैदान में एक बार फिर एक्टिव हो गए हैं। लगभग दो दशक पहले अहीर बेल्ट पर पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला की जो मजबूत पकड़ थी, उसे वापस हासिल करने के लिए इनेलो प्रमुख अभयसिंह चौटाला ने रघु यादव का सहारा लिया है। वह रघु के सहारे इस बेल्ट में एक बार फिर पार्टी को मजबूत बनाने की दिशा में प्रयास करते नजर आ रहे हैं।

वर्ष 1987 में रेवाड़ी से लोकदल की टिकट पर विधायक बने रघु यादव का राजनीति संघर्ष काफी लंबा रहा है। तत्कालीन सीएम चौ. देवीलाल से पटरी नहीं बैठने के कारण आधे कार्यकाल में रघु ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद उन्होंने कई बार पार्टी और चुनाव क्षेत्र तो बदले, लेकिन जीत हासिल नहीं हुई। उनका चुनाव मैदान में उतरना कई दिग्गजों की संभावित जीत को हार में बदलने वाला जरूर साबित होता रहा। चौ. भजनलाल के शासनकाल में रघु यादव पर नारनौल में लाठीचार्ज हुआ, तो कई दिनों तक अस्पताल में उपचार के बाद वह मौत को मात देकर जिंदगी की डगर पर आगे बढ़े। रघु यादव ने काफी समय से खुद को सक्रिय राजनीति से अलग रखा हुआ था। अब अभय चौटाला ने उन्हें इनेलो ज्वाइन कराई है। अभय का प्रयास अहीरवाल में रघु यादव के सहारे पुराने वोट बैंक को हासिल करना है। हालांकि उम्र को देखते हुए रघु यादव से किसी बड़े करिश्मे की उम्मीद नहीं की जा सकती, परंतु उनके पुराने समर्थक इस इलाके में 'वेंटिलेटर' पर पहुंच चुकी इनेलो को जीवनदान देने का प्रयास जरूर कर सकते हैं।



रेवाड़ी। रघु यादव का स्वागत करते जिलाध्यक्ष डा. राजपाल व अन्य।

अभय यात्रा में दिखाएंगे पूरा दम

रघु यादव को इनेलो ज्वाइन करने पर रविवार को इनेलो के जिलाध्यक्ष डा. राजपाल यादव की अगुवाई में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इनेलो के पुराने और जनाधार वाले नेताओं के पार्टी छोड़ने के बाद जिले की कमान लंबे समय राजपाल यादव ही संभाल रहे हैं। इस समारोह में रघु यादव ने कहा कि अहीरवाल में अभय चौटाल की यात्रा के दौरान वह भीड़ जुटाकर परिवर्तन की शुरूआत करेंगे। रघु यादव ने पूरे उत्साह के साथ इनेलो के लिए कुछ नया करने की ताल ठोक दी है।

पहले रह चुका इनेलो का गढ़

अहीरवाल क्षेत्र पर पूर्व सीएम ओपी चौटाला की खास नजर रहती थी। वर्ष 2000 तक इस क्षेत्र के लोगों ने इनेलो का खुलकर साथ दिया, जिससे चौटाला प्रदेश में सरकार बनाने में कामयाब रहे थे। सीएम रहते हुए भी उनके सर्वाधिक दौरे अहीरवाल में ही होते थे। पार्टी में विभाजन के बाद इस क्षेत्र में इनेलो का जनाधार रसातल पर पहुंच गया, जिससे वापस पाने के लिए रघु का सहारा लेना अभय की मजबूरी बन गया है।

पोर्टल पर फसल का वेरिफिकेशन जरूरी

अनाज मंडी में आज से रोस्टर प्रणाली से होगी बाजरे की खरीद

मार्केट कमेटी ने बढ़ती आवक को देखते हुए बाजरा खरीद का साप्ताहिक शेड्यूल किया जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी/कोसली

जिले की रेवाड़ी व कोसली की अनाजमंड़ियों में बाजरे की आवक लगातार बढ़ती जा रही है। सरकार की ओर से एक अक्टूबर एमएसपी पर खरीद भी शुरू की जा चुकी है, लेकिन खरीद एजेंसी हैफेड व वेयरहाउस की ओर से बाजरे तीन दिन में एक क्विंटल भी बाजरा नहीं खरीदा है। रेवाड़ी अनाजमंडी में अब तक करीब 80 हजार क्विंटल व कोसली में 20 हजार क्विंटल बाजरे की आवक हो चुकी है। सरकार की ओर से इस बार बाजरे की एमएसपी 2900 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है, जिसमें 2300 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बाजरा खरीद व 600 रुपये भावांतर भरपाई के दिए जाएंगे। सोमवार को रेवाड़ी व कोसली में गांवों के रोस्टर के हिसाब से बाजरे की खरीद की जाएगी।



रेवाड़ी। अनाजमंडी के फड़ पर बाजरे की ढेरी व रखे कट्टे। फोटो : हरिभूमि

गांवों का साप्ताहिक शेड्यूल जारी

पिछले तीन दिनों में अनाजमंडी में बाजरे आवक काफी बढ़ गई है। बाजरे की खरीद को सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए मार्केट कमेटी की ओर से नई अनाज मंडी रेवाड़ी के लिए गांवों का साप्ताहिक शेड्यूल जारी किया गया है ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े और मंडी में खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो सकें।

5 अक्टूबर को धारूहेड़ा, खरखड़ा, मालपुरा, आलमगीरपुर, ढाकिया, मनेठी, पाडला, खोल, नांधा, बलवाड़ी, बावड़ और मुरादपुरी गांवों के किसानों की बाजरे की खरीद की जाएगी।

6 अक्टूबर को आसांका, आसपुर, अकबरपुर, बाढ़जेठू, बालावास अहीर, बखापुर, बनीपुर, इब्राहिमपुर, मंगलेश्वर, पातुहेड़ा, आसलवास, बैरियावास व बैरली खुर्द।

7 अक्टूबर को जोनियावास, मालाहेड़ा, जड़थल, पंचगांव, आरसियाकी टप्पा, जड़थल, खटावली, मामड़िया ठेठर, चिता-डूंगरा, माजरा मुस्तल भालखी, भालखी, पाली, भाड़ावास व भगवानपुर।

8 अक्टूबर को बालावास जमापुर, बालियार कलां, मीरपुर, बालियार खुर्द, काकोड़िया, जाट-मुरथल, गोकलगढ़, झाबुआ, बाघीज, बीड़ झाबुआ, सुबासेहड़ी, प्राणपुरा व किशनपुर।

9 अक्टूबर को सुनारिया, दोहना, ततारपुर इस्तमुरार, असदपुर, नंदरामपुर बांस, गोठड़ा टप्पा खोरी, नंगला मायन, मामड़िया अहीर, मामड़िया आसमपुर, कडु उर्फ भवानीपुर, रघुनाथपुर, रानोली, टीकला व पावटी तथा

10 अक्टूबर को इन गांवों के शेड्यूल में यदि किसी किसान का बाजरा वेरिफिकेशन नहीं होने या किसी अन्य कारण से फसल नहीं बिक पाती है, तो वह बाजरे का वेरिफिकेशन उपरांत इस दिन अपनी फसल बेच सकेगा।

निर्धारित शेड्यूल में ही बाजरा मंडी में लाएं

मार्केट कमेटी सचिव नरेंद्र यादव ने बताया कि शेड्यूल में शामिल किसानों को मंडी में फसल लाने से पहले मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर बाजरा वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य होगा। इसके बाद ही निर्धारित शेड्यूल के अनुसार बाजरा मंडी में लेकर आएं, ताकि उन्हें किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। यदि निर्धारित शेड्यूल के दिन किसान का बाजरा वेरिफिकेशन न होने अथवा किसी अन्य कारण से फसल नहीं बिक पाती है, तो वह 10 अक्टूबर को बाजरे का वेरिफिकेशन कराने के बाद अपनी फसल बेच सकता है। बिना शेड्यूल के किसी भी किसान का गेटपास जारी नहीं किया जाएगा।

किसानों को अपने निर्धारित दिन के अनुसार ही बाजरे को मंडी में लाना होगा। किसानों को अपनी फसल बेचने से पहले मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर बाजरे का वेरिफिकेशन कराना जरूरी है। रेवाड़ी अनाजमंडी में सरकारी खरीद शुरू होने के तीन दिन में 1326 किसानों के ई-पोर्टल पर गेटपास काटे जा चुके है तथा व्यापारियों की ओर से 33650 क्विंटल बाजरा खरीदा गया है।



रेवाड़ी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्मानित करते शिक्षा मंत्री। फोटो : हरिभूमि

कड़ी मेहनत, मजबूत इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प से लक्ष्य हासिल किया जा सकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

- जाट समाज की ओर से प्रतिभा सम्मान व डिजिटल लाइब्रेरी उद्घाटन समारोह आयोजित

रविवार को जाट समाज की ओर से जाट धर्मशाला में प्रतिभा सम्मान व डिजिटल लाइब्रेरी उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर जाट समाज की पत्रिका जागृति के तृतीय संस्करण का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के शिक्षा मंत्री चौधरी महिपाल ढांडा रहे, वहीं विशिष्ट अतिथि चौधरी अनिल कुमार सांगवान प्रबंध निदेशक कालूवाला कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड थे। कार्यक्रम में विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना पोपली तथा पूर्व विधायक व सांगवान खाप के प्रधान सोमवीर सांगवान भी विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में करीब 250 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। विशेष रूप से हाल ही में एशियाई खेलों में सुलखा निवासी स्वर्ण पदक विजेता कमलजीत सोहलोत को सम्मानित किया गया। जाट समाज की ओर से खिलाड़ी को एक लाख रुपये का चेक प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रदान किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा ने जाट समाज के लिए 15 लाख रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा की। वहीं विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने डिजिटल लाइब्रेरी के लिए 3 लाख रुपये देने की घोषणा की। इस मौके पर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि कड़ी मेहनत, मजबूत इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प के साथ प्रयास किया जाए तो मुश्किल से मुश्किल लक्ष्य को भी हासिल किया जा सकता है। डिजिटल लाइब्रेरी के निर्माण में सहयोगी रहे अनिल कालूवाला जी ने भविष्य में भी समाज के लिए सहयोग जारी रखने का आश्वासन दिया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर उप प्रधान धनपत सिंह बड़ेसरा, भरत सिंह नबरदार, अजीत सिंह धनखड़, प्रवक्ता रामकिशन महलावत, हरफूल ठेकेदार, रणसिंह लोर, जाट महासभा के प्रदेश सचिव युद्धवीर फोगाट, रणवीर जांगू, पूर्व प्रधान चौधरी बलबीर सिंह, देवी सिंह प्रधान, दीपचंद रोझूवास, मिश्रीलाल, खेमचंद ढाकिया, मास्टर रणवीर सिंह, मास्टर जवाहर सिंह, ब्रह्मजीत शिवाच, मास्टर जगदेव, सुमन गलिया, भारती चौधरी, सुरेंद्र सिंह, सतपाल मलिक, राज सिंह, राजित, सतपाल प्रधान, रणधीर गढ़ी, मास्टर चरण सिंह, मास्टर अजीत सिंह, पूर्व पार्षद दलवीर, सरपंच मुकेश, सरपंच मीर सिंह खिजूरी, सरपंच करण सिंह, राम नरेश, सतवीर फलसवाल, प्रकाश कटारिया, डा. इंद्र सिंह, एसडीओ जयपाल सिंह, महेंद्र मलिक, अभय राठी, सरपंच महेंद्र सिंह, महेंद्र थानेदार, एडवोकेट जोगिंदर सिंह, डा. जयप्रकाश, सरपंच आजाद सिंह, वीरेंद्र छिल्लर अध्यक्ष, हेमंत, मास्टर अशोक कुमार, मास्टर विक्रम सिंह, अतर सिंह नेहरा, अतर फौजी, भगतराम सहरावत, सत्येंद्र झाबुआ, महेंद्र , खेमचंद ढाकिया,राजू ककरावत, रामफल बालियान व ओम प्रकाश सांगवान सहित समाज के प्रबुद्धजन व महिलाएं उपस्थित रहे।

झाल में गलियों में जमा गंदा पानी व दूषित पेयजल आपूर्ति बनी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली उपमंडल के गांव झाल में दूषित पेयजलापूर्ति और नालियां अवरुद्ध होने के कारण बस्ती के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नालियां जाम होने से गंदा पानी गलियों में जमा है, वहीं घरों में सप्लाई होने वाला पीने का पानी भी गंदा और दुर्गंधयुक्त आ रहा है। इससे बस्ती के लोगों में बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। महिलाओं का कहना है कि दूषित पानी और आसपास फैली गंदगी के कारण बच्चे लगातार बीमार पड़ रहे हैं। कई बच्चे वायरल, खांसी जुकाम और बुखार जैसी बीमारियों की चपेट में हैं। महिलाओं ने बताया कि छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर उन्हें काफी चिंता सता रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों और पंचायत की ओर से इस दिशा में



अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है। गलियों में जमा गंदे पानी से बदबू के चलते लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। महिलाओं ने जिला प्रशासन से समस्या का समाधान करने की मांग की है। उन्होंने दूषित पानी की सप्लाई की जांच कराने, पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने और अवरुद्ध नालियों की सफाई कराकर जलभराव की समस्या से निजात दिलाने की गुहार लगाई है।

यादव कल्याण सभा के कैंप में 136 मरीजों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 136 मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई। शिविर में डा. एसपी यादव ने मेडिसन, डा. अजय यादव ने हड्डी रोग, डा. अभिनव राव ने सर्जरी, डा. विदुला यादव ने नेत्र रोग, डा. मनीष यादव ने ईएनटी व डा. कोमल यादव ने दंत रोग में ओपीडी सेवाएं प्रदान की। कैंप में फिजियोथेरेपी की सेवाएं भी दी गई। निःशुल्क दवाई का वितरण राजेश यादव व पवन कुमार ने किया। शिविर के आयोजन में यादव कल्याण सभा कार्यकारिणी से जसवंत सिंह यादव, शशि भूषण यादव, प्रो. सतीश यादव, अमर सिंह, विजय पाल व बिक्रम ने सहयोग प्रदान किया।



ढोकिया में आंगनबाड़ी वर्कर्स व हेल्पर हुई सम्मानित

- बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गांव ढोकिया में आंगन मिलन सेवा अभियान के तहत सम्मान एवं मातृ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सत्यावती व सुमन तथा आंगनबाड़ी सहायिका रेखा देवी को सम्मानित किया गया। विभा की सुपरवाइजर योगेश कुमारी ने आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं और सेवाओं की जानकारी दी। इस दौरान ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए बाल विवाह रोकथाम की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में गांव की सरपंच मनीषा कुमारी, महिला पंच एकता व कविता देवी, स्वास्थ्य विभाग से एएनएम निपुण, एमपीएचडब्ल्यू विनय तथा आशा वर्कर ईश्वन्ति व अनुप देवी, शिक्षा विभाग से अनिल कुमार, ब्लॉक समिति सदस्य आरती, एसएचजी प्रधान संगीता व शकुंतला सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।



रेवाड़ी। कार्यक्रम में वर्कर्स व हेल्पर को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों का स्टेट गेम्स में शानदार प्रदर्शन

रेवाड़ी। दिल्ली रोड पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने डीएवी स्टेट गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है।



स्टेट गेम्स फरीदाबाद में आयोजित किए गए थे। नेटबॉल प्रतियोगिता में स्कूल की अंडर-14 गर्ल्स टीम ने गोल्ड, अंडर-17 टीम ने सिल्वर व अंडर-19 टीम ने ब्रोन्ज मेडल हासिल किया। वही लड़कों की अंडर-14 टीम, अंडर-17 व अंडर-19 टीम ने तीनों कैटेगिरी में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। नेटबॉल टीम की सभी श्रेणियों में 27 खिलाड़ियों का डीएवी नेशनल गेम्स के लिए चयन हुआ। वही ताइक्वांडो में अंडर-19 वर्ग से तुषार शर्मा ने गोल्ड मेडल प्राप्त कर नेशनल गेम्स के लिए क्वालिफाई किया। प्राचार्य ने कहा कि यह शानदार उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन, समर्पण और खेल के प्रति लगन का प्रमाण है। प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ सदस्यों ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

कार्यक्रम | देवांशु एवं संस्कार को मिस्टर फ्रेशर व परिशा एवं यशिका को मिस फ्रेशर चुना गया

निरंतर मेहनत, अनुशासन, धैर्य और सकारात्मक सोच ही सफलता की मजबूत आधारशिला: खीचड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय बावल में नवप्रवेशी विद्यार्थियों विद्यार्थियों के लिए आरंभ-2026 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महाविद्यालय में नए प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत करने के साथ-साथ उन्हें महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक वातावरण से परिचित कराना तथा वरिष्ठ विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ सकारात्मक संवाद स्थापित करने का अवसर प्रदान करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छात्र कल्याण निदेशक डा. मदन लाल खीचड़ उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में आने वाली चुनौतियों का सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सामना करने तथा निरंतर सीखते रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए कोई शॉर्टकट नहीं होता, बल्कि निरंतर मेहनत, अनुशासन, धैर्य और सकारात्मक सोच ही सफलता की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।





रेवाड़ी। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए विद्यार्थी तथा मिस व मिस्टर फ्रेशर अतिथियों के साथ। फोटो : हरिभूमि

सांस्कृतिक गतिविधियों में लिया भाग

विद्यार्थियों ने एकल नृत्य, समूह नृत्य, गायन, नाटक, एवं स्किट सहित अनेक प्रस्तुतियां दी। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उत्साह एवं उमंग का वातावरण बना दिया। गतिविधियों के माध्यम से नवागंतुक विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ मंच पर प्रस्तुति देने और एक-दूसरे से घुलने-मिलने का अवसर भी मिला। नवप्रवेशी विद्यार्थियों के बीच विभिन्न गतिविधियों के आधार पर मिस्टर एवं मिस फ्रेशर का चयन भी किया गया। कार्यक्रम में देवांशु एवं संस्कार को मिस्टर फ्रेशर तथा परिशा एवं यशिका को मिस फ्रेशर चुना गया। मंच संचालन नवीन, दीपिका, निष्ठा एवं रिया ने किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र एवं महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं गैर-शिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहे। डा. तन्वी, डा. प्रवीन शर्मा, डा. भारत तिंदू जैन, डा. योगेश गुर्जर, डा. चरण सिंह शेखों, डा. प्रवीन निंबरायन, डा. अभिषेक, डा. प्रीति, डा. पूजा, डा. रूमी, डा. सुनीता, तथा डा. अनिल कुमार मलिक ने कार्यक्रम में सहयोग दिया। सह-छात्र कल्याण निदेशक डा. मुकेश कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विद्यार्थी संस्थान की सबसे महत्वपूर्ण धरोहर

महाविद्यालय के प्राचार्य डा. सत्यजीत ने कहा कि विद्यार्थी किसी भी शिक्षण संस्थान की सबसे महत्वपूर्ण धरोहर होते हैं। उनके शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, रचनात्मकता गतिविधियों तथा सामाजिक दायित्वों का विकास भी अत्यंत आवश्यक है। महाविद्यालय में प्रवेश विद्यार्थियों के जीवन के एक नए अध्याय की शुरूआत है, जहां उन्हें शिक्षा के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को विकसित करने के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

इंदिरा एकादशी कल, श्रद्धालु उपवास रखकर करेंगे पूजा

रेवाड़ी। हिंदू धर्म में इंदिरा एकादशी का व्रत बेहद लाभकारी माना जाता है। हर साल में कुल 24 एकादशी तिथि पड़ती हैं। ऐसा माना जाता है कि इस व्रत को रखने से जीवन में कभी धन और दौलत की कमी नहीं रहती है। इस पर्व को मंगलवार को श्रद्धालु व्रत रखकर मनाएंगे। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि इंदिरा एकादशी व्रत को बेहद ही शुभ माना जाता है। इस दिन लोग भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। वैदिक पंचांग के अनुसार एकादशी हर शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष के 11वें दिन पड़ती है, जिनका अपना एक खास महत्व है। ऐसा कहा जाता है इस तिथि पर उपवास रखने से श्री हरि के साथ माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। उनका कहना है कि एकादशी के दिन अनाज का सेवन नहीं करना चाहिए, बल्कि इसके स्थान पर फल, दूध और सात्विक भोजन का सेवन करना लाभदायक है। शराब और मांसाहारी भोजन से भी परहेज करना चाहिए, संयम रखना बहुत जरूरी है, वाद-विवाद से बचना चाहिए।